

► लापरवाही से नुकसान होने पर पीड़ितों को मिले मुआवजा

डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की जवाबदेही तय करेगा सुप्रीम कोर्ट

संदिग्ध लेन-देन रोकने और आरबीआई केवाईसी नियमों की समीक्षा पर भी दिया जोर

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर ठगी के मामलों में बैंकों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि यदि बैंक या वित्तीय संस्थान की उचित सावधानी नहीं बरतने के कारण किसी ग्राहक के साथ ठगी होती है, तो पीड़ित को हुए नुकसान की भरपाई के लिए संबंधित संस्थान को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि बैंकों को संभावित साइबर अपराधों से ग्राहकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करनी होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सवाल किया कि सेवानिवृत्त व्यक्ति के



खाते से असामान्य रूप से बड़ी रकम निकलने पर बैंक समय रहते कारवाई क्यों नहीं कर सके। अदालत ने कहा कि ठगी होने के बाद रिपोर्ट तैयार करने के बजाय ऐसी घटनाओं को रोकने पर ध्यान देना जरूरी है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने पूछा कि जब बैंकों के पास खाताधारकों के पुराने लेन-

देन का रिकॉर्ड उपलब्ध है, तो वे असामान्य गतिविधियों की पहचान कर संदिग्ध लेन-देन को अस्थायी रूप से क्यों नहीं रोक सकते। अदालत ने यह भी सवाल किया कि ऐसे मामलों में संबंधित पुलिस थाने को सूचना देकर रकम हस्तांतरित करने से पहले लेन-देन की पुष्टि क्यों नहीं की जा सकती। केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने

बताया कि बैंक पहले की तुलना में संदिग्ध लेन-देन की पहचान करने में बेहतर हुए हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र भी चौबीसों घंटे काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ नियमों को आगे बढ़ाने के लिए बैठकें हुई हैं और संबंधित नियामकीय उपायों पर काम चल रहा है।

800 करोड़ रुपये की ठगी पर जताई चिंता

सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल ने बताया कि पिछले साल की तुलना में डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में कमी आई है। उन्होंने इसका श्रेय अदालत के हस्तक्षेप, सरकारी विभागों के समन्वय और जन-जागरूकता अभियानों को दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इसके बावजूद चालू वर्ष में ऐसे अपराधों से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान होने की बात सामने आई है। अदालत ने बैंकों की जवाबदेही के साथ-साथ म्यूचुअल खातों की समस्या पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से हासिल रकम प्राप्त करने और उसे दूसरे खातों में भेजने के लिए किया जाता है। मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रही वरिष्ठ अधिवक्ता एएस नीपनाई ने बताया कि जागरूकता अभियानों के बावजूद डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर ठगी जारी है। उन्होंने हाल की एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें एक महिला को 2.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि लगातार खबरें आने और जागरूकता अभियान चलने के बावजूद लोग फोन या वीडियो कॉल के जरिए गिरफ्तारी के दावों पर भरोसा कर लेते हैं। अदालत ने संकेत दिया कि साइबर ठगी से निपटने के लिए केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि बैंकों और संबंधित संस्थानों की जवाबदेही तथा समय रहते कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है।

पीड़ितों के नुकसान की भरपाई का प्रावधान

पीठ ने कहा कि वह ऐसे निर्देश देने पर विचार कर रही है, जिनके तहत बैंक या वित्तीय संस्थान की लापरवाही साबित होने पर साइबर ठगी के पीड़ितों को मुआवजा देना अनिवार्य हो। अदालत ने प्रस्तावित व्यवस्था में पीड़ितों के नुकसान की भरपाई का प्रावधान शामिल करने पर जोर दिया। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि बैंकों की जवाबदेही और संबंधित नियामकीय प्रावधानों पर आरबीआई को विचार करना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी बैंक कर्मचारी की संलिप्तता या लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई की जाती है। हालांकि, उन्होंने सभी बैंक कर्मचारियों को ठगी में शामिल मानने से इनकार किया। पीठ ने आरबीआई के प्रस्तावित अपने ग्राहक को जानि (केवाईसी) संशोधन निर्देश, 2026 की समीक्षा करने की बात कही। सुनवाई के दौरान बताया गया कि इन निर्देशों को 30 नवंबर तक अधिसूचित करने और 31 दिसंबर तक लागू करने की उम्मीद है। अदालत ने नियामकीय व्यवस्था में रोकथाम के उपायों को प्रभावी बनाने की जरूरत भी बताई।

जमीन के नीचे दबे 3 नीले ड्रमों से मिले 5 करोड़ रुपये



पुलिस ने राकेश यादव उर्फ महाकाल के घर को सील किया, आयरकर विभाग कर रहा नोटों की गिनती

● प्रयागराज

प्रयागराज के नवाबगंज क्षेत्र स्थित बरईपुर रामनगर गांव में पुलिस ने एक मकान में जमीन के नीचे दबाकर रखे गए तीन नीले ड्रमों से करोड़ों रुपये नकद बरामद किए हैं। ड्रमों में 500-500 रुपये के नोटों की गड़्डियां कपड़े में लपेटकर रखी हुई थीं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बरामद

रकम पांच करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। हालांकि, इसकी अंतिम राशि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आयरकर विभाग नोट गिनने की मशीनों से रकम की गिनती कर रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि राकेश यादव उर्फ महाकाल के घर में चोरी के रुपये जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए हैं।

पड़ोसी से विवाद के बाद जांच हुई शुरू

जानकारी के मुताबिक, राकेश का पांच-छह दिन पहले पड़ोसियों से विवाद हुआ था, जिसके बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पुलिस के पहुंचने पर दरगा से उसकी बहस भी हुई। इसके बाद पुलिस को उसके घर में बड़ी मात्रा में नकदी छिपाकर रखने की सूचना मिली और तलाशी अभियान चलाया गया।

अनीता को नहीं मिली राजेश खन्ना संग शादी की मान्यता सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से किया इनकार, याचिका खारिज

नई दिल्ली, आरएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व अभिनेत्री अनीता आडवाणी की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना के साथ अपने कथित रिश्ते को कानूनी रूप से विवाह की मान्यता देने की मांग की थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने कहा कि याचिका पर सुनवाई का कोई आधार नहीं है। अदालत ने इसे लज्जती मुकदमेबाजी करार दिया।



अनीता आडवाणी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के एक अप्रैल 2026 के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने दलील दी कि अनीता इस मामले में अपने सम्मान और गरिमा के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अनीता आडवाणी का दावा था कि वह राजेश खन्ना के साथ करीब 10 साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रही थीं और दोनों ने गुप्तचुप शादी भी की थी।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में हुई अब 12वीं गिरफ्तारी



● मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी के मामले में मुंबई पुलिस ने हरियाणा के सोनीपत जिले के रोहणा गांव से अमन नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार

हो गई है। पुलिस के अनुसार, अमन पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी कुणाल का दोस्त है। जांचकर्ता उसके बैंक खाते में हुए पैसे के लेनदेन और गोलीबारी की घटना से उसके संभावित संबंधों की पड़ताल कर रहे हैं। पुलिस अमन से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके खाते में रकम कहाँ से आई और उसका इस मामले से क्या संबंध है। साथ ही, कुणाल और अन्य आरोपियों के साथ उसके संपर्कों की भी जांच की जा रही है। इस मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दोबारा गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों को मुंबई की विशेष अदालत ने 6 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

मकोका के तहत 11 आरोपियों की हिरासत 6 नवंबर तक बढ़ी

सीबीएसई 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में पांच विषय अनिवार्य

गणित या विज्ञान में असफल होने पर अतिरिक्त कौशल विषय से मिल सकता है पास होने का मौका

● नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 2028 में होने

इसका मौजूदा 10वीं के छात्रों पर वाली 10वीं की बोर्ड परीक्षा के प्रारूप को स्पष्ट करते हुए पांच विषयों की परीक्षा अनिवार्य कर दी है। इनमें दो भाषाएं,

गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। इसके अलावा छात्र एक अतिरिक्त कौशल विषय चुन सकेंगे। इस विषय के अंकों से

इनमें दो भाषाएं, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। इसके अलावा छात्र एक अतिरिक्त कौशल विषय चुन सकेंगे। इस विषय के अंकों से इनमें दो भाषाएं, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। इसके अलावा छात्र एक अतिरिक्त कौशल विषय चुन सकेंगे। इस विषय के अंकों से

पढ़ रहे उन छात्रों पर लागू होंगे, जो 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि

इसका मौजूदा 10वीं के छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सीबीएसई की निदेशक (शैक्षणिक) प्रज्ञा एम. सिंह ने स्कूलों के प्रधानाचार्यों को भेजे पत्र में कहा है

कि 2028 की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य पाठ्यक्रम क्षेत्र होगी। इसे पूरा करने के लिए छात्र कौशल विकास विषय या बोर्ड की ओर से अधिसूचित 22 कौशल विषयों में से किसी एक का विकल्प चुन सकेंगे।

कौशल विकास विषय का स्कूल में होगा मूल्यांकन

कौशल विकास विषय चुनने वाले छात्रों का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर किया जाएगा। इसमें कम से कम 33 प्रतिशत अंक हासिल करने पर प्रमाणपत्र मिलेगा। हालांकि, उन्हें अन्य अनिवार्य विषयों की बोर्ड परीक्षा देनी होगी। बोर्ड परीक्षा से छूट केवल कौशल विकास विषय के लिए होगी।

प्रोटेस्ट में हिंसा की तो अब अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

लखनऊ, आरएनएन। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में चरित्र सत्यापन के नियमों में बदलाव किया है। नई नीति के तहत हिंसा के जरिए व्यवस्था बदलने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों और गंभीर अपराधिक मामलों में निर्धारित

यूपी में चरित्र सत्यापन के नियम किए गए सख्त, सिर्फ एफआईआर होने से उम्मीदवारी नहीं होगी रद्द

शर्तों के तहत पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा।

नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। नई व्यवस्था राज्य के सरकारी विभागों के साथ निगमों, परिषदों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वायत्त निकायों, उपक्रमों, पंचायतों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती पर लागू होगी। पहले से लंबित मामलों का निस्तारण भी इन्हीं दिशा-निर्देशों के आधार पर किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार, किसी अभ्यर्थी को केवल उसकी राजनीतिक सोच या विचारधारा के आधार पर नौकरी के लिए अयोग्य नहीं माना जाएगा।

कोलकाता में कपड़े और मेकअप बचाने के चक्कर में मची थी भगदड़

● कोलकाता

उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर 2026 को हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत के मामले में पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि अचानक बारिश के दौरान निकास द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ने से धक्का-मुक्की हुई थी। पुलिस के अनुसार, कुछ महिलाएं बारिश में कपड़े और मेकअप खराब होने के डर से पंडाल से बाहर निकलने में हिचक रही थीं। इससे निकास द्वार के पास भीड़ बढ़ गई और लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घटना शाम करीब 7:30 बजे हुई। (शेष पृष्ठ 8 पर)

सुरक्षा एजेंसी के संचार उपकरणों की भी जांच

पुलिस यह भी पता लगा रही है कि निकास द्वार पर भीड़ बढ़ने की सूचना प्रशासन तक समय पर पहुंची थी या नहीं और संचार में किसी देरी से राहत कार्य प्रभावित हुआ था या नहीं। आयोजकों की ओर से तैनात निजी सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारियों के पास मैनपैक पोर्टेबल रेडियो संचार उपकरण थे। जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि घटना के समय सुरक्षाकर्मी कहाँ तैनात थे, उन्हें भीड़ बढ़ने की जानकारी मिली थी या नहीं और उन्होंने क्या कदम उठाए।

आईआरसीटीसी को एक रुपये कम रिफंड देना पड़ गया भारी



कासरगोड, आरएनएन ट्रेन टिकट रद्द कराने पर यात्री को एक रुपये कम रिफंड देना आईआरसीटीसी को भारी पड़ गया। केरल के कासरगोड जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने निगम को बकाया एक रुपये के साथ उस पर नौ प्रतिशत सालाना ब्याज, 100 रुपये मुआवजा और तीन हजार रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। आयोग ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। निगम को आदेश के 30 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा।

चाँदजी की खेड़ी में प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंटों की अनुपस्थिति में मतपेटियों सील तोड़ कर मतगणना करने का आरोप...

सरपंच ओर वार्ड पंच प्रत्याशियों ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की

मतगणना प्रक्रिया पर उठे सवाल, वार्ड पंच प्रत्याशियों ने निष्पक्ष जांच की मांग की

स्मार्ट हलचल

माण्डलगढ़। बिजौलिया उपखण्ड में चाँदजी की खेड़ी मतदान केंद्र पर 24 अक्टूबर को सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव की मतगणना प्रक्रिया को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। सरपंच और वार्ड पंच पद के प्रत्याशियों ने आरोप लगाया है कि मतदान टीम ने उन्हें और उनके काउंटिंग एजेंटों को मतगणना केंद्र से बाहर बैठा दिया गया। इसके बाद उनकी अनुपस्थिति में मतपेटियों की सील तोड़ कर मतगणना कर दी गई, जिसमें संबंधित प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा है। मामले को लेकर सरपंच और वार्ड पंच प्रत्याशियों ने बिजौलिया उपखण्ड अधिकारी के माफ़त राज्य निर्वाचन



आयोग व जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत भेजकर जांच की मांग की है।सरपंच प्रत्याशी सुनील कुमार धाकड़, वार्ड पंच प्रत्याशी घनश्याम धाकड़,रोशन लाल धाकड़ व मतगणना एजेंट सहित ग्रामीणों का शिकायत में आरोप है कि मतगणना

की प्रत्याशियों की अनुपस्थिति में सीलबंद किया और सील तोड़ कर मतगणना शुरू कर दी गई। प्रत्याशियों और मतगणना एजेंट को बाहर बैठा दिया गया। निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम ने गड़बड़ी कर मतगणना परिणाम को बदल दिया गया। जबकि एक वार्डपंच प्रत्याशी विशेष धाकड़ सहित कई काउंटिंग एजेंट के तो परिणाम शीट पर हस्ताक्षर भी नहीं कराए गए हैं। आरोप हैं कि विजयी घोषित किए गए सरपंच ने निर्वाचन टीम के भोजन और आवभगत का व्यय खुद ने उठाया हैं। चाँदजी की खेड़ी बूथ पर नियुक्त बीएलओ सुरेश धाकड़ का कहना है कि सर्वप्रथम वार्ड नम्बर 1-2-3 की मतपेटियों को खोल कर मतगणना शुरू कर दी थी, वोटों बंडल

वना लिए थे, उसके बाद वार्ड पंच प्रत्याशियों को अंदर बुलाया गया, वार्ड पंचों के वोटों की गणना होने के बाद सरपंच प्रत्याशियों को मतगणना कक्ष में बुलाया गया था। बीएलओ गोपाललाल धाकड़ का कहना हैं कि वार्ड पंच प्रत्याशियों की मतगणना शुरू हो गई थी, तब सरपंच प्रत्याशी बाहर ही बैठे रहे, आरओ ने इनको अंदर नहीं बुलाया और मेरे को भी मतगणना कक्ष में जाने दिया गया। और बाहर ही बैठा रहा। ऐसे में मतगणना की प्रक्रिया में प्रत्याशियों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर निर्धारित नियमों का पालन किया जाना गम्भीर मामला हैं। प्रत्याशियों ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मतगणना

के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया की जानकारी लेने तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है। साथ ही, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच किए जाने की मांग भी उठाई गई है। अब इस मामले में निर्वाचन आयोग और संबंधित निर्वाचन अधिकारियों की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर नजर रहेगी। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो मामले में नियमानुसार कार्रवाई का सवाल उठ सकता है।

फिलहाल, मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और निर्वाचन अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

दीपावली से पहले मिठाई की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, घेवर-गुलाब जामुन सहित घी के नमूने लिए एलएमबी, जोधपुर स्वीट होम, मातेश्वरी डेयरी और केबीएम का औचक निरीक्षण, नमूने जांच के लिए अजमेर भेजे

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर। दीपावली के त्योहार पर मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने और आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' के तहत खाद्य सुरक्षा दल ने गुरुवार को शहर के चार प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, जयपुर तथा जिला कलेक्टर कमल राम मौणा के विशेष निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा दल ने श्री लक्ष्मी मिठाान भंडार (एलएमबी), श्री जोधपुर स्वीट होम, मातेश्वरी डेयरी एवं केबीएम का निरीक्षण किया। इस दौरान घेवर, गुलाब जामुन, कलाकंद, रसगुल्ला एवं घी के नमूने लिए गए। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठानों को आवश्यक सुधार करने और खाद्य सुरक्षा नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर होगी कार्रवाई खाद्य सुरक्षा दल द्वारा लिए गए नमूनों को जांच के लिए अजमेर प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह एवं दशरथ सिंह मौजूद रहे। खाद्य सामग्री खरीदते समय बरतें सावधानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत ने आमजन से अपील की कि त्योहार के दौरान मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय सावधानी बरतें। पैकेटिंग पर निर्माण लिथि, पैकेटिंग की तारीख और निर्माता का पूरा विवरण अवश्य जांचें। मिठाई खरीदते समय उसके निर्माण की तारीख की जानकारी भी लें। उन्होंने बताया कि दीपावली को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष सघन अभियान लगातार जारी रहेगा।

गंगापुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में करवा चौथ का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

स्मार्ट हलचल

गंगापुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहाग की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर महिलाओं ने दिनभर कटोरें ब्रत रखा। प्रातःकाल से ही महिलाएं सज-धजकर सामूहिक रूप से करवा चौथ माता की विशेष पूजा-अर्चना में शामिल हुईं। उन्होंने अपने पति की दीर्घायु और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन के बाद महिलाओं ने चांद को अर्घ्य चढ़ाकर अपना व्रत खोला। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से करवा चौथ का उद्यापन भी किया गया।इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल रहा। महिलाओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पर्व को यादगार बनाया।



स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। अपना देश, अपनी माटी और अपना स्वदेशी खेल। इसी भावना के साथ भारत के स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल का 18वां स्थापना दिवस देश के 22 राज्यों में उत्साह और खेल भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कहीं कार्यशालाओं के माध्यम से युवाओं को खेल के प्रति जागरूक किया गया, तो कहीं विद्यार्थियों ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में अपने विचार रखे। राजस्थान के भीलवाड़ा में लाडो स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदान पर बालिकाओं ने ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। ड्रॉप रोबॉल महासंघ के राष्ट्रीय संगठक अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया कि स्थापना



दिवस के आयोजन का उद्देश्य स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहन देना, युवाओं को खेल संस्कृति से जोड़ना और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। देश के 22 राज्यों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से खेल के प्रचार-प्रसार और अधिकाधिक युवाओं की भागीदारी की कदम रखा है। पंचायत की जांच के लिए मुकाबले हुए, जिनमें बालिकाओं ने एकाग्रता, तालमेल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का परिचय दिया। खिलाड़ियों के उत्साह ने यह प्रतियोगिताओं के समान अवसर प्रशिक्षण और अवसर मिलें तो वे खेल के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना

आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग विकसित करने का भी सशक्त जरिया हैं। स्वदेशी खेलों को व्यापक पहचान दिलाने के लिए समाज, शिक्षण संस्थानों, खेल संगठनों और युवाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। गुजरात में महाविद्यालय स्तर पर ड्रॉप रोबॉल विषयक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों को इस खेल की जानकारी देने और इसके प्रति

रुचि विकसित करने पर जोर दिया गया। विहार में खेल विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को खेलों के महत्व और समाज में उनकी भूमिका पर विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। देश के अन्य राज्यों में भी स्थापना दिवस पर विभिन्न गतिविधियों के जरिए स्वदेशी खेल को प्रोत्साहित किया गया। भीलवाड़ा में लाडो स्पोर्ट्स एकेडमी के खेल मैदान पर आयोजित बालिका प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता में सिंगल और डबल्स वर्ग के मुकाबले हुए, जिनमें बालिकाओं ने एकाग्रता, तालमेल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का परिचय दिया। खिलाड़ियों के उत्साह ने यह प्रतियोगिताओं के समान अवसर प्रशिक्षण और अवसर मिलें तो वे खेल के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना

नई अफीम नीति से असंतुष्ट भारतीय किसान संघ मिला नारकोटिक्स आयुक्त से ग्वालियर में

स्मार्ट हलचल

आकोला भारतीय किसान संघ राजस्थान प्रदेश का प्रतिनिधि मंडल ग्वालियर में नारकोटिक्स आयुक्त श्री दिनेश बिसेन से मिला। नई अफीम नीति के संबंध में किसान हित में पुनर्विचार करके संशोधन करने के सुझाव दिये। जेसे - 1990 से अब तक के कटे हुए पड़े रोजगार हेतु बहाल किये जावें। गत वर्ष मार्फिन 4.2 से पड़े दिये थे जो इस वर्ष 4.4 से दिये जाने है, उसे 4.2 मार्फिन से ही जारी किये जावें, क्योंकि मार्फिन प्राकृतिक है किसान के हाथ में नहीं है। किसानों को जीवित नामांतरण की सुविधा दिलाई जावे जिससे पारिवारिक झगड़े समाप्त हों। अफीम पट्टाधारी किसानों पर मनःप्रभावी पदार्थ अभिनियम 1985 की धारा 8/18 एवं 8/29 का प्रभाव नहीं हो, छोड़ा चूरा को भी इन धाराओं से बाहर किया जाकर इसे अफीम नीति में शामिल किया जावे। पिछले 50 वर्ष से अफीम का खरीद मूल्य नहीं बढ़ाया गया है, अफीम खरीद मूल्य न्यूनतम 10000 रु./किग्रा किया जावे। अफीम नीति प्रतिवर्ष के बजाय 5 वर्ष के लिए बनाई जावे। अफीम फसल कहीं से भी खराब होने पर उखड़वाकर शेष बचे रकबा की अफीम खरीद दी जावे। भारतीय किसान संघ राजस्थान प्रदेश के प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश अफीम आयाम प्रमुख बद्रीलाल जाट, प्रांत अफीम आयाम प्रमुख बद्रीलाल तेनी, प्रदेश राजस्व प्रमुख शिवराज पुरी, चित्तौड़गढ़ जिला मंत्री लामचंद धाकड़, जिला उपाध्यक्ष भुरालाल धाकड़, बारां जिला युवा प्रमुख गोविन्द नागर, गोपाल तेनी प्रतापगढ़, सोहनलाल आंजना छोटीसादड़ी एवं गीतालाल धाकड़ बांणेड़ाघाटा आदि किसान उपस्थित थे। नारकोटिक्स आयुक्त श्री दिनेश बिसेन ने निश्चित ही संशोधन का भरोसा दिलाया।



मुजरास टोल प्लाजा के पास आम रास्ते पर अवैध खाई खोदना, गौवंश की मौत और टोल कर्मियों की दादागिरी गांव वालों ने की कठोर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

गुरला:- नेशनल हाईवे 758 स्थित नरसिंहपुरा गांव में स्थित मुजरास टोल प्लाजा (राष्ट्रीय राजमार्ग 758 के पास एक गंभीर और मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। टोल प्रबंधन द्वारा अपने निजी लाभ के लिए ग्राम पंचायत के सार्वजनिक और आम रास्ते को बार-बार जेसीबी मशीन से गहरी खाई खोदकर बंद किया जा रहा है। इस अवैध और अमानवीय कृत्य के कारण अब तक दर्जनों बेजुबान गायाँ और अन्य जानवरों की दर्दनाक खाई में गिरने से मौत हो चुकी है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार विरोध करने और ग्राम पंचायत द्वारा समझाइश देने के बावजूद टोल कर्मी दादागिरी पर उतारू हैं और ग्रामीणों को



धमकाते हैं कि 'तुमसे जो होता है कर लो, रास्ता तो बंद हो रहेगा।' मुजरास टोल प्लाजा के बगल से एक कच्चा लेकिन आम रास्ता निकलता है, जो मुजरास, गुरला,काबरो का खेड़ा और आसपास के 8-10 गांवों

को ओर खेतों और मुख्य गांव से जोड़ता है। यह रास्ता राजस्व रिकॉर्ड में ग्राम पंचायत के आम रास्ते के रूप में दर्ज है। किसान इसी रास्ते से अपनी फसल, ट्रैक्टर-ट्रॉली और मवेशी लेकर आते-जाते हैं। महिलाएं और बच्चे भी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। पिछले दस सालों से टोल प्रबंधन को यह डर है कि लोग टोल बचाने के लिए इस आम रास्ते का उपयोग के लिए इस आम रास्ते का उपयोग न करने लगे, इसलिए उन्होंने बिना किसी सरकारी अनुमति के, ग्राम पंचायत को बिना सूचित किए, इस रास्ते पर लगभग 8 से 10 फीट गहरी और चौड़ी लंबी खाई खोद दी है। जब ग्रामीणों ने मिट्टी डालकर उसे भरा, तो दो दिन बाद फिर से जेसीबी लाकर उससे भी गहरी खाई खोद दी गई। ऐसा अब तक कई बार हो चुका है।

गौवंश की लगातार खाई में गिरना दिल दहलाने वाली तस्वीरें ग्रामीणों के अनुसार इस खाई के लंबाई में दिया कि यह पंचायती रास्ता है, इसे मत खोदो, लेकिन हर बार उन्हें अनुसूचा कर दिया गया। जब ग्रामीण मौके पर जाते तो टोल कर्मचारी उन्हें घेर लिया करते और धमकाते। 'टोल वाले कहते हैं कि हमने ह्यूड्रल से ठेका लिया है, हम कुछ भी कर सकते हैं। पंचायत क्या कर लेगी? यह सीधे-सीधे सत्ता और पैसे की दादागिरी है।' नियमानुसार, किसी भी आम रास्ते, सार्वजनिक रास्ते या ग्राम पंचायत की भूमि पर कोई भी निर्माण या खुदाई करने के लिए जिला परिषद और ग्राम पंचायत से NOC लेना अनिवार्य है। NHAI की गाइडलाइन भी स्पष्ट कहती है कि टोल प्लाजा सर्विस रोड के अलावा

किसी भी ग्रामीण रास्ते को अवरूद्ध नहीं तत्काल प्रभाव से मुजरास टोल के पास खोदी गई सभी अवैध खाइयों को भरकर आम रास्ते को सुचारु किया जाए। भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिए SDM कोट से टोल प्रबंधन को पानंद किया जाए। मृत गायाँ के मालिक किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह मामला सिर्फ एक रास्ते का नहीं, बल्कि ग्रामीण लोकतंत्र, गौ-संरक्षण और आम आदमी के हक का है। एक निजी टोल कंपनी किस तरह सरकारी सिस्टम को ठेंगा दिखाकर पंचायती रास्ता खोद सकती है और बेजुबान जानवरों की जान ले सकती है, यह प्रशासन के लिए भी एक बड़ा सवाल है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पर कितनी जल्दी संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है।

कमला देवी की हत्या के बाद छत पर जलाया शव, पार्टी का बहाना बनाकर पड़ोसियों को किया गुमराह

छत की खुदाई में अहम साक्ष्य जुटाए, अवशेष कोठारी नदी में बहाने का खुलासा, एफएसएल और एमओबी टीम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

स्मार्ट हलचल/पुनित चपलोट

भीलवाड़ा। 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में पुलिस जांच के दौरान चौकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने और साक्ष्य मिटाने के लिए आरोपियों ने कथित तौर पर पूरी योजना बनाई। शव जलाने के लिए लकड़ियाँ और अन्य सामग्री मंगवाने के दौरान पड़ोसियों को घर में नॉनवेज पार्टी होने की बात बताई गई। आरोप है कि शव जलाने के बाद घटनास्थल पर ही खाने-पीने का आयोजन किया गया और सुबह जले हुए अवशेष कोठारी नदी में बहा दिए गए। गुरुवार को भीमगंज थाना पुलिस गिरफ्तार आरोपियों रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और आर्यन दाधीच उर्फ चूंचा को लेकर छोटी पुलिसिया स्थित रवि तापड़िया के मकान पर पहुंची। एफएसएल और एमओबी टीम की मौजूदगी में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जिस छत पर शव जलाए जाने की आशंका है, वहां सीमेंट की परत हटाकर नमूने एकत्रित किए गए। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रथम दृष्टया सामने आए हैं। इन्हें सुरक्षित कर वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

पार्टी के बहाने मंगवाई लकड़ियां
पुलिस जांच के अनुसार, शव जलाने के लिए लकड़ियाँ और अन्य ज्वलनशील सामग्री की व्यवस्था की गई थी। पड़ोसियों को शक नहीं हो, इसके लिए घर में खाने का कार्यक्रम और नौचुंदगी में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जिस छत पर शव जलाए जाने की आशंका है, वहां सीमेंट की परत हटाकर नमूने एकत्रित किए गए। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रथम दृष्टया सामने आए हैं। इन्हें सुरक्षित कर वैज्ञानिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

करवा चौथ पर किया चांद दीदार सोलह श्रृंगार कर सुहागिनी ने रखा निर्जला व्रत,

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक करवा चौथ का पर्व गुरुवार को कन्ननगरी भीलवाड़ा में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। दिनभर व्रत रखने के बाद महिलाओं ने विधि-विधान से करवा चौथ की पूजा-अर्चना की और चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद व्रत खोला। पर्व को लेकर शहर के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनि यों में उत्साह का माहौल रहा। पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने त्योहार की खुशियां साझा कीं और एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं। करवा चौथ के अवसर पर घरों से लेकर कॉलोनि यों तक धार्मिक उल्लास नजर आया। महिलाओं ने परंपरागत तरीके से करवा माता की पूजा की तथा परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। चंद्रमा के उदय का इंतजार करती महिलाओं के लिए यह पर्व प्रेम, आस्था और पारिवारिक रिश्तों की मजबूती का खास अवसर बना। पूरे दिन व्रत और पूजा की तैयारियों के बीच त्योहार की रौनक बनी रही। सांगानेर रोड स्थित जैन सिद्ध कॉलोनी में भी करवा चौथ का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कॉलोनी की महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की और पति की दीर्घायु तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से पर्व की शुश्रूषा मनाई। पारंपरिक वेशभूषा, सोलह श्रृंगार और धार्मिक वातावरण ने आयोजन को खास बना दिया। कार्यक्रम में मंजू पाराशर, मधु लोढा, रेखा पानगड़िया, शिवांगी, रोशन, अभिलाषा, श्वेता लोढा, अंतिमा पानगड़िया, सुमन सोनी, पूजा सोनी, सुधा एवं सरला शर्मा सहित अन्य महिलाओं ने भाग लिया। करवा चौथ भारतीय संस्कृति में दांपत्य प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व रिश्तों में आत्मीयता बढ़ाने के साथ ही परंपराओं के प्रति सम्मान का संदेश भी देता है। भीलवाड़ा में महिलाओं ने उत्साह के साथ पर्व मनाकर सुखी दांपत्य जीवन, परिवार की खुशहाली और घर-परिवार में सुख-शांति की मंगलकामना की।

सरपंच बनी बहू, सास ने पंचायत को दान कर दी 20 लाख की जमीन अखेपुर में पंचायत भवन के लिए परिवार ने खोला जमीन का खजाना नवगठित ग्राम पंचायत को भवन के लिए सौंपी सवा बीघा भूमि, रजिस्ट्री होते ही पंचायत भवन निर्माण का रास्ता साफ

स्मार्ट हलचल

कोटडी पंचायत राज व्यवस्था में जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल चुनाव जीतने और पद संभालने तक सीमित नहीं होता, बल्कि गांव के विकास के लिए संसाधन जुटाना और जनसमस्याओं का समाधान करना भी उसकी जिम्मेदारी है। भीलवाड़ा जिले की कोटडी तहसील के अखेपुर गांव में नवनीर्वाचित सरपंच रतनदेवी भवानी जाट के परिवार ने इसी भावना को जमीन पर उतारते हुए अनूटी मिसाल पेश की है। गांव में ग्राम पंचायत भवन बनाने के लिए एक इंच भूमि तक उपलब्ध नहीं थी। इस समस्या को दूर करने के लिए सरपंच के परिवार ने अपनी खातेदारी भूमि पंचायत को समर्पित करने का निर्णय किया। परिवार की मुखिया 85 वर्षीय बुजुर्ग रामप्यारी देवी ने करीब सवा बीघा, यानी 0.18 हेक्टेयर भूमि ग्राम पंचायत के नाम रजिस्ट्री करवा दी। इस जमीन का बाजार मूल्य करीब 20 लाख रुपए बताया गया है।



करवा चौथ पर दिया गांव को विकास का उपहार-
ग्राम पंचायत अखेपुर के लिए यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पंचायत के पास अपना भवन बनाने के लिए जमीन ही नहीं थी। ऐसे में पंचायत का स्थायी कार्यालय और अन्य आवश्यक सरकारी भवन विकसित करने की राह अटक की हुई थी। ग्रामीणों के सहयोग से सरपंच निर्वाचित हुई रतनदेवी भवानी जाट ने पदभार संभालने के बाद इस समस्या पर परिवार के साथ चर्चा की। विचार-विमर्श के दौरान तय हुआ कि गांव की इस जरूरत को पूरा करने के

लिए परिवार की भूमि पंचायत को दान कर दी जाए। सरपंच ने अपने पति भवानी जाट से बात की तो उन्होंने सहमति दे दी। संबंधित भूमि उनकी माता रामप्यारी देवी के नाम पर दर्ज थी। परिवार ने उनसे आग्रह किया तो उन्होंने भी खुशी-खुशी जमीन पंचायत को देने का निर्णय कर लिया। इसके बाद चुनाव परिणाम आने के एक सप्ताह के भीतर ही भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने की पहल की गई। गुरुवार को करवा चौथ के अवसर पर रामप्यारी देवी अपने पुत्र भवानी जाट और दो गवाहों के साथ कोटडी तहसील कार्यालय पहुंचीं। यहां

तहसीलदार रमेशचंद्र मीणा के समक्ष ग्राम पंचायत अखेपुर के नाम 0.18 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री करवाई गई। वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद रजिस्ट्री सरपंच रतनदेवी को सौंप दी गई। **85 साल की उम्र में भी गांव के भविष्य की चिंता-**
रामप्यारी देवी की इस पहल को ग्रामीण केवल जमीन के दान के रूप में नहीं, बल्कि गांव के विकास में अपनी हिस्सेदारी निभाने के उदाहरण के तौर पर देख रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर उन्होंने निजी संपत्ति का उपयोग सामुदायिक आवश्यकता के लिए करने का निर्णय लिया। करीब 20 लाख रुपए मूल्य की भूमि पंचायत को सौंपने से अब अखेपुर में पंचायत भवन निर्माण की संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन किसी एक परिवार या जनप्रतिनिधि की जरूरत नहीं, बल्कि पूरे गांव की प्रशासनिक व्यवस्था का केंद्र होता है। यहां ग्रामीणों को पंचायत संबंधी कार्यों के लिए सुविधा मिलती है और स्थानीय स्तर

पर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को गति मिल सकती है। ऐसे में भूमि उपलब्ध होने से गांव की वर्षों पुरानी जरूरत पूरी होने की उम्मीद जगी है। **अब भवन निर्माण का प्रस्ताव होगा तैयार-**
सरपंच प्रतिनिधि भवानीराम जाट ने बताया कि पंचायत का कामकाज सुचारु रूप से संचालित करने और गांव में पंचायत भवन की जरूरत को देखते हुए परिवार ने यह पहल की है। भूमि की रजिस्ट्री होने के बाद अब पंचायत भवन निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर उसे स्वीकृत कराने की दिशा में काम किया जाएगा। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराने का प्रयास रहेगा। तहसीलदार रमेशचंद्र मीणा ने बताया कि नवगठित ग्राम पंचायत अखेपुर में पंचायत भवन के लिए भूमि उपलब्ध नहीं थी। अब पंचायत के नाम भूमि की रजिस्ट्री होने से भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। **पंचायत राज की भावना को मिला नया अर्थ**
अखेपुर की यह पहल पंचायत राज

की उस मूल भावना को रेखांकित करती है जिसमें गांव के विकास को सामूहिक जिम्मेदारी माना जाता है। चुनाव के दौरान ग्रामीण जिस विश्वास के साथ जनप्रतिनिधि चुनते हैं उस विश्वास को विकास कार्यों में बदलने के लिए जनप्रतिनिधि और समाज की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। सरपंच के परिवार ने भूमि उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी उठाई है। अब पंचायत और प्रशासन के सामने इस जमीन पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर भवन निर्माण को आगे बढ़ाने की चुनौती है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचायत भवन तैयार होगा और अखेपुर की नई पंचायत को अपना स्थायी ठिकाना मिलेगा। एक परिवार का समर्पण, पूरे गांव के काम आया। अखेपुर में 85 वर्षीय रामप्यारी देवी द्वारा जमीन दान करने की यह पहल बताती है कि गांव के विकास की शुरुआत केवल सरकारी बजट से नहीं, बल्कि समाज की भागीदारी और साझा संकल्प से भी हो सकती है।



अरवड़ पंचायत में सरपंच पद पर 8 और वार्ड पंच के 23 प्रत्याशी मैदान में



नई अरवड़ से 6 और पुरानी अरवड़ से 2 प्रत्याशी आजमा रहे मांग्य, 2198 मतदाता करेंगे फैसला

स्मार्ट हलचल

अरवड़ - ग्राम पंचायत अरवड़ में पंचायतराज चुनाव को लेकर नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरपंच पद के लिए आठ तथा वार्ड पंच के लिए 23 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया के दौरान सरपंच पद के लिए कुल 11 आवेदन जमा हुए थे, जबकि पंचायत के नौ वार्डों में वार्ड पंच पद के लिए 25 आवेदन प्राप्त हुए थे। दोपहर दो बजे बाद नाम वापसी की प्रक्रिया में सरपंच पद के तीन और वार्ड पंच पद के दो प्रत्याशियों ने अपने आवेदन वापस ले लिए। इसके बाद चुनाव मैदान में बचे प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो गई। सरपंच पद पर आठ प्रत्याशियों के बीच मुकाबला ग्राम पंचायत अरवड़ में सरपंच पद अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित है। इस पद के लिए नई अरवड़ से छह और पुरानी अरवड़ से दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। पंचायत के पुनर्गठन के बाद पूर्व में शामिल चार गांव अन्य पंचायतों में चले गए हैं। ऐसे में अब नई अरवड़ और पुरानी अरवड़ के मतदाता ही सरपंच चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 2198 मतदाता करेंगे फैसला ग्राम पंचायत के नौ वार्डों में कुल 2198 मतदाता हैं। इनमें 1093 पुरुष और 1105 महिला मतदाता शामिल हैं। पुरानी अरवड़ में 910 और नई अरवड़ में 1288 मतदाता हैं। दोनों गांवों के मतदाताओं की भूमिका चुनाव में महत्वपूर्ण रहेगी। वार्ड पंच के लिए 23 प्रत्याशी मैदान में पंचायत के नौ वार्डों में वार्ड पंच पद के लिए 25 आवेदन जमा हुए थे। नाम वापसी के बाद दो आवेदन वापस लिए जाने से अब 23 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए प्रत्याशियों की अंतिम संख्या तय हो गई है। अब प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन जुटाने में लगे हैं। चुनाव में मतदाताओं का रुख और स्थानीय मुद्दे महत्वपूर्ण रहेंगे।

करवाचौथ पर सुहागिनी ने रखा व्रत, पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की

स्मार्ट हलचल

माण्डलगढ़। करवाचौथ का पर्व क्षेत्र में श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखा। इस दौरान माण्डलगढ़ स्थित चौथ माता मंदिर में महिलाओं ने पहुंचकर चौथ माता की पूजा-अर्चना की और अपने पति की दीर्घायु एवं सुखी दांपत्य जीवन की कामना की।



काछोला सहित कई गांवों में कल 6 घंटे बिजली बंद रहेगी

132 केवी गिड पर रखरखाव कार्य के चलते सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

स्मार्ट हलचल

काछोला बिजली विभाग के अनुसार 30 अक्टूबर शुक्रवार को 132 केवी गिड काछोला पर रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के कारण सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। यह जानकारी बिजली विभाग के जईएन विकास कुमार मीणा देते हुए बताया कि इस दौरान 33/11 केवी गिड काछोला, राजगढ़, हरपुरा, धलकला, महुआ, मानपुरा एवं सुरखिया से जुड़े गांवों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।प्रभावित गांवों में काछोला, राजगढ़, सरथला, जगपुरा, धामनिया, धलकला, हरपुरा, जस्साजी का खेड़ा, महुआ, श्रीनगर, दोलपुरा, मानपुरा, रलायता, गोपालपुरा, कल्याणपुरा, रायसिंहपुरा और भगवानपुरा सहित अन्य गांव शामिल हैं। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्य पहले ही पूरे कर लें।



गेणोली में सुहागिनी ने श्रद्धा व उल्लास से मनाया करवा चौथ का पावन पर्व देवालयों में सामूहिक पूजन कर सुनी व्रत कथा, चंद्रमा को अर्घ्य देकर की अखंड सौभाग्य की कामना

स्मार्ट हलचल

गेणोली/मांडलगढ़। माण्डलगढ़ क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम गेणोली में करवा चौथ का पावन पर्व सुहागिन महिलाओं द्वारा पूरे विधि-विधान, पारंपरिक आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखा और देर शाम देवालयों में एकत्र होकर सामूहिक पूजा-अर्चना संपन्न की। ?देवालयों में गूँजे मंगल गीत, श्रद्धापूर्वक सुनी करवा चौथ की कथा शाम ढलते ही सुहागिन महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सोलह श्रृंगार कर थाली सजाए स्थानीय देवालयों में पहुंचीं। महिलाओं ने एक साथ बैठकर चौथ माता और भगवान शिव-पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात महिलाओं ने सामूहिक रूप से करवा चौथ की पौराणिक व्रत कथा सुनी तथा पारंपरिक करवा फेरने की रस्म निभाई। देवालयों में महिलाओं के मंगल गीतों और भजनों से समूचा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो गया। छलनी से चंद्र दर्शन कर दिया अर्घ्य, पति के हाथों जल गृहण कर खोला व्रत देर शाम जैसे ही आकाश में चंद्रदेव का उदय हुआ, छतों और आंगनों में उत्साह की लहर दौड़ गई। सुहागिनी ने छलनी से पहले चंद्रमा और फिर अपने पति का दीदार किया। इसके बाद जल, अक्षत व पुष्प अर्पित कर चंद्रमा को अर्घ्य दिया गया। पति के चरण सपर्श कर आशीर्वाद लेने के बाद महिलाओं ने पति के हाथों जल और मिठाई गृहण कर अपना निर्जला उपवास खोला। इस दौरान परिवार के वरिष्ठजनों से भी सुहागिनी ने आशीर्वाद प्राप्त किया।



है, तो यह जितना सिरफ़ एक सीत का कब्ज़ा नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक राजनीतिक समीकरण पर एक करारात्मक और ऐतिहासिक सौगता है। हालांकि, किसकी राजनीति आयुष्य लंबी होगी और किसके सिर सजेगा ताज, यह कहना अभी इस्तीफ़ापर तालजब है क्योंकि अभी ईदीएमएक बटन खदना बाकी है और फैसला जनता की सर्वशक्तिमान अवलत में होना बाकी है। फिर भी, करवा चीथ के इस पावन पर, सियासी रूप से बेहदहमअन अवसर पर, चित्तीडगड जिले की समस्त जुझार महिला प्रत्यायीयों और उनके उन समर्पात 'चौदी' (पतिया) को आमारे सलाम... दुआ है कि आप और आपका दोनो चौद-यानी जीवनसाथीयों रूफू चौद और जीत का राजनीतिक मुकद्दमहशा इसरी तरह बुलदियों पर चमकते रहें !

रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड.... सरफराज के भाई मुशीर खान ने किया कमाल

स्मिथ की वापसी के लिए करना होगा दिसम्बर तक इंतजार

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें 'सर्वाइकल फैसेट जोइंट' (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा।

पिछले हफ्ते गकेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से 'सर्वाइकल फैसेट जोइंट' में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की



सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है। पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रैनशॉ ने तारीफ की।

चौथे टी-20 में ईशान की होगी वापसी... नेट्स पर बहाया परसीना



बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम: फैंस ने चुना सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!

लंदन, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम (B.O.A.T.) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के 2008 के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का 2012 का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने 2026 के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 2007-08 के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 42 गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत

पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता। रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह 2008 उनके करियर के सबसे यादगार वर्षों में शामिल हो गया। बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष 10 में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 शामिल हैं। वहीं, मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन शीर्ष 10 में शामिल रहे। मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का 2008 का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।



वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति... तिलक ने किया खुलासा

भारत के टी-20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्वीन स्वीप पर है।

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में

सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा।' मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

5-0 से सीरीज जीतने पर नजर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्वीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।



टी20 सीरीज....न्यूजीलैंड को झटका!

भारत के खिलाफ आखिरी दो मैचों से बाहर हुए तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन

ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

फर्ग्यूसन की पिंडली में लगी चोट

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेरले ओवरल में खेले गए दूसरे टी20 के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकों और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे।

मैट हेनरी भी चोट से परेशान

न्यूजीलैंड के एक और तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी20 सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांच की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यक्रम प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी20 मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

जेमीसन भी वनडे सीरीज के लिए तैयार

टी20 टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रेडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यक्रम प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को केंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।